Daily Current Affairs

Date : 30 December, 2025

UTKARSH CLASSES | CIVIL SERVICES

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	आरआरसीएमएस से होगी सुनवाई
2.	78वीं आर्मी डे परेड
3.	'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026'
4.	“शील्ड 1.0 – स्मार्ट हैकाथॉन फॉर इंटेलिजेंस, एनफोर्समेंट, लॉ एवं डिफेन्स”
5.	कोटा-हाड़ौती ट्रैवल मार्ट
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. ‘ई-स्वास्थ्य संवाद’
7.	नरसपुरम लेस क्राफ्ट
8.	पार्वती अर्गा पक्षी अभयारण्य
9.	भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता
10.	वर्ष 2025 के अंत तक: 2025 में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम
11.	दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक निर्माण योजना
12.	जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना
13.	विकसित भारत के लिए मानव पूँजी
14.	GSTAT
15.	वाडा : भारत वैश्विक डोपिंग उल्लंघन में शीर्ष
16.	प्रगति (PRAGATI)
17.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी अर्न्स्ट एंड यंग की रिपोर्ट 2. पी.वी. सिंधु 3. भारत का पहला स्वदेशी MRI स्कैनर 4. एडिशनल सॉलिसिटर जनरल 5. भारत का पहला हथियार डेटाबेस 6. वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था। 7. भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

आरआरसीएमएस से होगी सुनवाई

चर्चा में क्यों?

- राजस्व अदालतों में RRCMS लागू कर सरकार ने मुकदमों की सुनवाई को डिजिटल और पारदर्शी बनाया है। यह व्यवस्था घर बैठे दाखिल, ऑनलाइन पैरवी और ई-सुनवाई सुनिश्चित करती है।

मुख्य बिन्दु:

आयोजन और चरणबद्ध कार्यान्वयन

- **शुरुआत:** 100 एसडीओ कोर्ट से 29 दिसंबर 2025 (सोमवार) से लागू, अप्रैल 2026 तक,1700 राजस्व अदालतों में विस्तार।
- **तैयारी:** 1 नवंबर 2025 से सभी जिला उपखंड न्यायालयों में 3 माह टेस्टिंग, राजस्व मंडल ने कलेक्टरों को निर्देश जारी।
- **खर्च:** अदालतों में कंप्यूटर/प्रिंटर/स्कैनर पर 11 करोड़, NIC सॉफ्टवेयर पर 50 लाख रुपये।

मुख्य विशेषताएँ

- **ई-सुविधाएँ:** घर बैठे मुकदमा दाखिल (www.gov.in पोर्टल via SSO ID), ई-फाइलिंग, ई-नोटिस, वर्चुअल सुनवाई, ई-तलबी।
- **ट्रैकिंग:** दैनिक प्रोसिडिंग स्टेटस, तारीख/कार्रवाई/फैसला ऑनलाइन, दस्तावेज कमी/मृत्यु/वारिस सूचना तत्काल।
- लाभ: पेपरलेस, नोटिस तामील/मिसल समय बचत, पारदर्शिता, अर्जेंट हियरिंग सुगम।

तकनीकी बदलाव

- पुरानी सामान्यीकृत न्यायालय प्रणाली की जगह राजस्थान रेवेन्यू कोर्ट मॉडर्नाइजेशन सिस्टम (RRCMS) लागू।
- राजस्व कोर्ट मैनुअल में संशोधन, पक्षकार/वकील ऑनलाइन पैरवी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

78वीं आर्मी डे परेड

चर्चा में क्यों?

- जयपुर पहली बार बनेगा भव्य एवं ऐतिहासिक आर्मी डे परेड का साक्षी— पहली बार सैन्य क्षेत्र के बाहर होगा परेड का आयोजन।

मुख्य बिन्दु:

आर्मी डे परेड – कब और कहाँ

- पहली बार सेना दिवस की मुख्य परेड राजस्थान में हो रही है; स्थल जयपुर की महल रोड तय किया गया है। मुख्य परेड का समय लगभग सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा।
- सेना दिवस 2026 की थीम है: भारतीय सेना – शौर्य एवं बलिदान की परंपरा।

क्या क्या खास दिखेगा

- पहली बार आर्मी डे परेड में अमेरिका निर्मित अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर का फ्लाइपास्ट होगा; इसकी खासियतें हैं:
    - 4 स्टिंगर मिसाइल लेकर उड़ान भर सकता है।
    - 16 तक हेलफायर मिसाइल दागने की क्षमता, कुल लगभग 76 रॉकेट/मिसाइल लोड करने की योग्यता।
    - 30 मिमी गन से लगभग 1200 राउंड फायर कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल की झांकी/प्रदर्शनी होगी, जिसे दुनिया की सबसे तेज क्रूज़ मिसाइलों में गिना जाता है; यह भारत रूस की संयुक्त परियोजना है और इसकी मारक क्षमता लगभग 290–500 किमी बताई जाती है।
- सेना की नई विशेष कमांडो यूनिट "भैरव बटालियन" भी परेड में शामिल होगी, जिसे हाई रिस्क ऑपरेशनों, आतंकवाद, नक्सलवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए तैयार किया गया है।
- मशहूर 61वीं कैवलरी के घुड़सवार भी परेड का आकर्षण होंगे।
- शाम को एसएमएस स्टेडियम में लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से "ऑपरेशन सिंदूर" की वीरता गाथा दिखाई जाएगी, जिससे जनता को सेना की वास्तविक कार्रवाई और बलिदान का अनुभव कराया जाएगा।

आर्मी डे का संदर्भ

- 15 जनवरी, 1949 को फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा पहले भारतीय कमांडर इन चीफ बने; उसी की स्मृति में हर वर्ष 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है।
- 2022 तक समारोह केवल नई दिल्ली में होता था; 2023 से इसे अलग अलग शहरों में आयोजित किया जा रहा है – पहले बेंगलुरु, फिर लखनऊ, 2025 में पुणे, और 2026 के लिए जयपुर को चुना गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट, 2026'

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग और टाई राजस्थान के सहयोग से 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट, 2026' का भव्य आयोजन जयपुर में किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- **दिनांक:** 4–6 जनवरी, 2026
- **स्थान:** जेईसीसी, सीतापुरा, जयपुर
- **आयोजक:** राजस्थान सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग और टाई राजस्थान
- फोकस: नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी, सतत् विकास

प्रमुख उद्देश्य और फोकस एरिया

- राजस्थान को वैश्विक इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करना, स्टार्टअप ईकोसिस्टम मज़बूत करना (नीतिगत सहयोग + निवेशक कनेक्ट).
- **प्रमुख क्षेत्र:** डिजिटल एग्रीकल्चर, स्मार्ट हेल्थ, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और वाटर गवर्नेंस
- **मुख्य गतिविधियाँ:** स्टार्टअप्स, नीति निर्माताओं, उद्योग और क्रिएटर्स के साथ सत्र व पैनल डिस्कशन, निवेशकों के सामने स्टार्टअप पिच, तकनीकी समाधान पर हैकाथॉन, कॉमिकॉन, फिल्म फेस्टिवल और राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस।

राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस

- डिजिफेस्ट के दौरान; राजस्थान रीजनल एआई इम्पेक्ट कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया जाएगा, जो 19–20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में होने वाली इंडिया-एआई इम्पेक्ट समिट की तैयारी यात्रा का हिस्सा है।

उद्देश्य:

- राजस्थान के एआई संचालित नवाचारों का प्रदर्शन.
- हितधारकों से संवाद और एआई गवर्नेंस पर सिफारिशें तैयार करना.

गतिविधियाँ:

- एआई डोमेन विशेषज्ञ, नीति निर्माता और उद्योग से लीडरशिप सत्र व विषयगत चर्चाएँ.
- एआई अनुप्रयोग और उभरती एआई थीम्स पर समानांतर सत्र.
- **एआई एक्सपो –** स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थान और उद्योग भागीदार अपने एआई प्रोडक्ट, प्लेटफॉर्म व सॉल्यूशन दिखाएंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

“शील्ड 1.0 – स्मार्ट हैकाथॉन फॉर इंटेलिजेंस, एनफोर्समेंट, लॉ एवं डिफेन्स”

मुख्य बिन्दु:

आयोजन विवरण

- **स्थान और तिथि:** केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान (CDTI), जयपुर में 29-30 दिसंबर, 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय हैकाथॉन।
- **पूर्ण नाम:** SHIELD 1.0 – Smart Hackathon for Intelligence, Enforcement, Law & Defence।
- **उद्देश्य:** इंटेलिजेंस, डिफेंस, साइबर सुरक्षा और कानून प्रवर्तन की चुनौतियों के लिए तकनीक-आधारित समाधान विकसित करना, जिससे भारत की आंतरिक सुरक्षा अभेद्य बने।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य फोकस क्षेत्र

- डिजिटल फॉरेंसिक्स, साइबर अपराध रोकथाम।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और सर्विलांस इंटेलिजेंस।
- युवा टेक-माइंड्स (साइबर विशेषज्ञ, डेवलपर्स, छात्र) द्वारा वैश्विक स्तर की उन्नत प्रणालियाँ तैयार करना।

प्रमुख अतिथि और संबोधन

- **मुख्य अतिथि:** NCRB उप निदेशक प्रशुन गुप्ता – डेटा एनालिटिक्स और AI की आधुनिक पुलिसिंग में भूमिका पर जोर।
- **CDTI निदेशक:** डॉ. अमनदीप सिंह कपूर – युवाओं की रचनात्मकता को सुरक्षा मॉडल्स में बदलने पर बल।
- **विशिष्ट अतिथि:** MNIT जयपुर की डॉ. मीनाक्षी त्रिपाठी और साइबर विशेषज्ञ योगेश राव – स्वदेशी नवाचार पर विचार।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कोटा-हाड़ौती ट्रैवल मार्ट

मुख्य बिन्दु:

आयोजन विवरण

- **तिथि और स्थान:** 2-4 जनवरी, 2026, शुभारंभ चम्बल रिवर फ्रंट (कोटा) से, शेष कार्यक्रम आर्ट हिल सिटी पार्क में।
- **उद्देश्य:** हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़) की पर्यटन क्षमता को वैश्विक मंच पर स्थापित करना, विकेंद्रीकृत पर्यटन विकास को बढ़ावा।

प्रमुख विशेषताएँ

- **फोकस:** ऐतिहासिक धरोहर (गागरोन, बूंदी किले), प्राकृतिक सौंदर्य (चम्बल नदी, मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व), धार्मिक स्थल, जलप्रपात।
- **प्रभाव:** पर्यटक ठहराव बढ़ाना, दिल्ली-आगरा-जयपुर सर्किट से जोड़ना, स्थानीय रोजगार (होटल, परिवहन, हस्तशिल्प) सृजन।

मुख्य गतिविधियाँ

- देशभर के टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंसियों के लिए प्रत्यक्ष स्थल दर्शन।
- 3-5 दिवसीय एकीकृत पर्यटन इटनरी विकास।
- विशेष डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन क्षेत्र की विविधता पर।

महत्व

- राजस्थान को सर्वाधिक पर्यटक राज्यों में शुमार रखते हुए अपेक्षाकृत अनछुए क्षेत्रों का प्रचार।
- पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़: हाड़ौती को संपूर्ण पर्यटन गंतव्य के रूप में पेश करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**'ई-स्वास्थ्य संवाद'** **कार्यक्रम संरचना** ■ **समय:** हर मंगलवार-गुरुवार; प्रथम चरण (शाम 5 बजे): प्राचार्य, अधीक्षक, पीएमओ, विभागाध्यक्ष; द्वितीय चरण (शाम 6 बजे): फैकल्टी, स्टाफ, छात्र, जनता के साथ खुला संवाद। ■ **पहला दिन:** 150+ लोकेशन्स से भागीदारी, सुशासन दिवस पर शुभारंभ। **उद्देश्य और स्वरूप** ■ **चिकित्सा शिक्षा विभाग की डिजिटल पहल:** सुशासन, पारदर्शिता और समन्वय मजबूत करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मंच। **चर्चा विषय** ■ बजट घोषणाएँ, शिकायत निराकरण (संपर्क पोर्टल, सीएमआईएस, मेडलीप्र, सीपी-ग्राम्स), योजनाओं का क्रियान्वयन, नवाचार, निर्माण कार्य, उपकरण खरीद, दैनिक समस्याएँ। ■ **पूर्व-रजिस्ट्रेशन:** गूगल फॉर्म से सुझाव/समस्याएँ; इंस्टेंट मिनट्स और 72 घंटे में ATR अनिवार्य। ■ स्वास्थ्य सेवाओं में त्वरित निर्णय, जवाबदेही बढ़ाना; मुख्यालय दौरे की आवश्यकता समाप्त।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

नरसपुरम लेस क्राफ्ट

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने हाल ही में, नरसपुरम (नरसपुर) की लेस शिल्पकला को महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और जमीनी स्तर पर आर्थिक प्रगति के एक सशक्त उदाहरण के रूप में उजागर किया।

मुख्य बिन्दु:

नरसपुरम लेस शिल्प

- **स्थान:** नरसापुर, आंध्र प्रदेश
- **उत्पत्ति:** 19वीं शताब्दी
- **वैकल्पिक नाम:** क्रोशे लेस शिल्प
- **तकनीक और सामग्री:** महीन सूती धागों से हस्तनिर्मित। क्रोशे की सुइयों से बनाया गया
- **उत्पाद:** बेडशीट, टेबल कवर, कुशन कवर, पर्दे, मोबाइल कवर, सजावटी सामान
- **डिजाइन की विशेषताएँ:** जटिल पुष्पीय, ज्यामितीय और पैस्ले पैटर्न।
- **सामाजिक महत्त्व:** लगभग 60% कारीगर महिलाएँ हैं।
- **मान्यता:** भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्रदान किया गया तथा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के तहत् चयनित।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

पार्वती अर्गा पक्षी अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, उत्तरप्रदेश सरकार ने गोंडा जिले में अवस्थित पार्वती अर्गा पक्षी अभयारण्य को इको सेंसिटिव ज़ोन (ESZ) घोषित कर दिया।

मुख्य बिन्दु:

- **पक्षी अभयारण्य घोषित :** वर्ष 1990
- इस अभयारण्य को अंतरराष्ट्रीय का रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है।
- **अभयारण्य में 2 झीलें अवस्थित है -** 1. पार्वती ताल 2. अर्गा ताल
- इस अभयारण्य में मध्य एशिया तथा तिब्बत से प्रवासी पक्षी आते हैं।
- यह अभयारण्य भारत की कुछ संकटग्रस्त गिद्ध प्रजातियों के लिए आश्रय स्थल है, जिसमे गंभीर रूप से संकटग्रस्त सफेद पूँछ वाला गिद्ध (जिप्स बेलालेंसिस), भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और संकटग्रस्त मिस्र का गिद्ध (नियोफ्रॉन पक्नोप्टेरस) शामिल है।
- यहाँ जलकुंभी (आइकोर्निया क्रैप्सिप्स) जैसी आक्रमण पादप प्रजातियाँ भी पाई जाती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता

चर्चा में क्यों?

- नवंबर, 2025 तक भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकॉर्ड 44.5 गीगावाट की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्य बिन्दु:

- **लक्ष्य:** COP-26 के अनुरूप, 2030 तक 500 गीगावाट गैर परंपरागत ऊर्जा क्षमता हासिल करना।
- जून, 2025 तक स्थापित कुल विद्युत क्षमता: 50% गैर ईधन स्त्रोतों से हासिल की
- अगस्त, 2025 तक स्थापित गैर परंपरागत ऊर्जा अमता: 250 GW
- नवंबर, 2025 तक स्थापित गैर परंपरागत ऊर्जा क्षमता: 262.74 GW (यह देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता, 509.64 GW का 51.5% है)
- **वृद्धि:** वर्ष 2025 में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई है।

योगदान:

1. **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता:**

परंपरागत ईधन आधारित संयत्रों की कुल गैर स्थापित क्षमता और निर्माणधीन क्षमता (GW में), 30 नवंबर, 2025 तक				
सेक्टर	स्थापित क्षमता	कार्यान्वयन के अधीन	निविदा (GW)	कुल स्थापित क्षमता
सौर ऊर्जा (A)	132.85	69.12	35.46	237.43
पवन ऊर्जा (B)	53.99	30.11	1.80	85.90
जैव ऊर्जा (C)	11.61	-	-	11.61
लघु जलविद्युत (D)	5.16	0.44	-	5.60

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हाइब्रिड/RTC (e)	-	59.24	11.48	70.72
उप-कुल f = A + B + C + D + E	203.61	158.91	48.74	411.26
लार्ज हाइड्रो (g)	50.35	25.33	-	75.68
कुल RE (f + g)	253.96	184.24	48.74	486.94
परमाणु ऊर्जा (H)	8.78	6.60	7.00	22.38
कुल गैर-परंपरागत ईंधन (f + G + H)	262.74	190.84	55.74	509.32

अखिल भारतीय विद्युत क्षमता		
सेक्टर	क्षमता (GW)	प्रतिशत
तापीय (A)	246.90 GW	48.45%
परमाणु (B)	8.78 GW	1.72%
नवीकरणीय ऊर्जा (C)	253.96 GW	49.83%
उप कुल गैर परंपरागत ईंधन (B+C)	262.74 GW	51.55%
कुल योग (A+B+C)	509.64 GW	100%

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

वृद्धिः

सौर ऊर्जा	34.98 GW
पवन ऊर्जा	5.82 GW

- **IRENA-RE सांख्यिकी, 2025 के अनुसार वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति:**

सेक्टर	वैश्विक स्तर पर भारत
सौर ऊर्जा	3rd स्थान
पवन ऊर्जा	4th स्थान
कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता	4th स्थान

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

1. **PM सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना:**
   - **शुरुआत :** फरवरी, 2025
   - **लक्ष्य:** वित्त वर्ष 2026-27 तक 1 करोड़ घरों मे रूफटॉप सोलर लगाना।
2. **प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (PM)- कुसुम) :**
   - 30 नवंबर, 2025 तक

घटक - A	667.31 MW के सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित।
घटक – B	9.42 लाख स्टैंड अलोन सौर कृषि पंप
घटक – C	10.99 लाख ग्रिड कनेक्टेड कृषि पंपों को सौर संचालित

3. **सौर ऊर्जा उपकरण पर GST 12% से घटाकर 5% की गई।**
4. **15 सितंबर, 2025 को भूतापीय ऊर्जा पर राष्ट्रीय नीति (2025) अधिसूचित की गई।**
5. **बायोएनर्जी:** वर्ष 2025 के दौरान (नवंबर, 2025 तक), कुल 684.33 TPD क्षमता वाले 59 संपीडित बायोगैस (CBG) संयंत्र ; कुल 21.5 TPH अमता वाले 8 बायोमास संयंत्र, कुल 56040 /AM प्रतिदिन क्षमता वाले 4 संयंत्र और कुल 89.86 क्षमता वाले 12 जैव विद्युत संयंत्र चालू किए गए है।

- **राष्ट्रीय जैव ईंधन दिवस :** 10 अगस्त।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

वर्ष 2025 के अंत तक: 2025 में भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- अंतरिक्ष विभाग की साल के अंत की समीक्षा से पता चलता है कि यह वर्ष न केवल प्रक्षेपणों पर केंद्रित था, बल्कि मानव अंतरिक्ष उड़ान, भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और एक प्रतिस्पर्धी वाणिज्यिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक जटिल क्षमताओं में महारत हासिल करने पर भी केंद्रित था।

मुख्य बिन्दु:

- **डॉकिंग और कक्षा में प्रयोग:** पीएसएलवी-सी60 से लॉन्च किया गया स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन। दो अंतरिक्ष यान कक्षा में सफलतापूर्वक डॉक और अनडॉक हुए, जो भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और मानवयुक्त मिशनों के लिए आवश्यक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **सौर विज्ञान और पृथ्वी अवलोकन:** इसरो ने सूर्य-पृथ्वी एल1 बिंदु पर स्थित भारत की सौर वेधशाला आदित्य-एल1 से प्राप्त पहले वैज्ञानिक डेटासेट जारी किए हैं।
- इस वर्ष के अंत में आईएसआरओ-नासा के संयुक्त उपग्रह निसार के प्रक्षेपण से वैश्विक पृथ्वी निगरानी में भारत की भूमिका और भी बढ़ गई है।
- **प्रक्षेपण अवसंरचना और प्रणोदन में प्रगति:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीहरिकोटा में तीसरे प्रक्षेपण पैड को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यानों और मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों का समर्थन करना है।
- इसरो ने श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ15 के साथ अपना 100वाँ प्रक्षेपण पूरा किया और साथ ही प्रणोदन के क्षेत्र में भी मील के पत्थर हासिल किए।
- **मानव अंतरिक्ष उड़ान को गति मिल रही है:** इसरो ने गगनयान क्रू मॉड्यूल पैराशूट प्रणाली का पहला एकीकृत एयर ड्रॉप परीक्षण किया।
- भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-04 मिशन के तहत् अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए और उन्होंने 18 दिनों तक कक्षा में रहकर सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण संबंधी प्रयोग किए।
- इसके पूरक के रूप में अंतरिक्ष चिकित्सा संबंधी पहल, लद्दाख की त्सो कार घाटी में एनालॉग मिशन और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य और जैव चिकित्सा प्रणालियों में अनुसंधान को गहरा करने के लिए श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एससीटीआईएमएसटी) के साथ एक नया ढाँचागत समझौता शामिल था।
- **स्वदेशी प्रौद्योगिकी और उद्योग की भागीदारी:** भारत ने एससीएल चंडीगढ़ के साथ मिलकर विकसित किए गए अपने पहले पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट स्पेस-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर - विक्रम 3201 और कल्पना 3201 की डिलीवरी के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इसरो ने स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के व्यावसायीकरण के लिए एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिससे उद्योग के नेतृत्व वाले प्रक्षेपणों के लिए द्वार खुल गए।
- एक स्टार्टअप द्वारा विकसित KALAM-1200 सॉलिड रॉकेट मोटर के सफल स्थैतिक परीक्षण के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी और भी बढ़ गई।
- **वैश्विक सहभागिता और भविष्य की दृष्टि:** भारत ने अंतरिक्ष और प्रमुख आपदाओं पर अंतरराष्ट्रीय चार्टर में नेतृत्व की भूमिका निभाई और वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन (GLEX) 2025 की मेजबानी की।
- अंतरिक्ष विभाग ने अंतरिक्ष दृष्टि 2047 को लागू करने की रणनीतियों को परिष्कृत करने के लिए चिंतन शिविर 2025 का आयोजन किया, जिसमें अंतरिक्ष में मानव की विस्तारित उपस्थिति, मजबूत वाणिज्यिक भागीदारी और उन्नत वैज्ञानिक मिशनों की परिकल्पना की गई है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबक निर्माण योजना

चर्चा में क्यों?

- भारत ने दुर्लभ पृथ्वी स्थायी चुंबकों (REPM) के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी प्रदान की है।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य:** भारत में प्रतिवर्ष 6000 मीट्रिक टन (MTPA) की एकीकृत REM निर्माण क्षमता स्थापना करना, जिसमें दुर्लभ मृदा ऑक्साइड से लेकर तैयार चुंबक तक की पूरी श्रृंखला शामिल होगी।
- **कार्यान्वयन:** 7 वर्षों तक कार्यान्वयन (2 वर्ष की प्रारंभिक अवधि + 5 वर्ष के प्रोत्साहन)
- **उपलब्धता:** भारत वर्तमान में आयात पर निर्भर है, जिसमें चीन स्थायी चुंबकों का 60 से 90 प्रतिशत आपूर्तिकर्ता है, जबकि वर्ष 2030 तक REPM की माँग दुगनी हो जाएगी।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **दुर्लभ मृदा स्थायी चुंबक (REPM):** REPM स्थायी चुंबकों के सबसे शक्तिशाली में से है और इनका व्यापक रूप से तकनीकों में उपयोग किया जाता है, जिनमें ठोस और उच्च कार्य क्षमता वाले चुंबकीय घटकों की आवश्यकता होती है।
- **इनकी उच्च चुंबकीय शक्ति और स्थिरता इन्हें निम्नलिखित के लिए अभिन्न बनाती है:**

1. इलेक्ट्रिक वाहन मोटर
2. पवन टरबाइन जनरेटर
3. उपभोक्ता और इलेक्ट्रॉनिक्स
4. एयरोस्पेस तथा रक्षा प्रणालियाँ
5. सटीक सेंसर और एक्चुएटर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **भारत में उपलब्धता:** भारत में दुर्लभ मृदा खनिजों का पर्याप्त संसाधन आधार उपलब्ध है, विशेष रूप से मोनोजाइट मृदा में पाए जाते हैं।
- यह संसाधन आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम- बंगाल, झारखण्ड, गुजरात और महाराष्ट्र में स्थित तटीय रेतीले टीलों, लाल रेतीले टीलो तथा अंतर्देशीय जलोढ़ क्षेत्र में पाए जाते हैं।
- **रेयर अर्थ मेटल्स/ मिनरल्स:** बिजनेस कंसल्टिंग फर्म एमिकस ग्रोथ के आँकड़ों के मुताबिक भारत में विश्व के 6-7% रेयर अर्थ मिनरल्स उपलब्ध है, लेकिन उत्पादन में योगदान मात्र 1% है।
- वर्ष 2024 में भारत केवल 2900 टन दुर्लभ धातुओं के उत्पादन के साथ वैश्विक स्तर पर 7वें स्थान पर है। (प्रथम,चीन, द्वितीय; अमेरिका और तृतीय ; म्यामार)
- भारत के पास विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दुर्लभ अर्थ ऑक्साइड (REO) का भंडार है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना

चर्चा में क्यों?

- पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जहाज निर्माण की दो प्रमुख पहलों के लिए परिचालन संबंधी दिशा-निर्देश अधिसूचित किए।

मुख्य बिन्दु:

जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना

- **उद्देश्य:** यह प्रत्येक जहाज के लिए उसकी श्रेणी (जैसे- छोटे, बड़े या विशेष जहाज) के आधार पर 15% से 25% तक वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- यह 'शिपब्रेकिंग क्रेडिट' की शुरुआत करती है। इसके तहत भारतीय यार्डों में जहाजों को स्क्रैप करने वाले जहाज मालिकों को स्क्रैप मूल्य का 40% क्रेडिट प्राप्त होगा, जो चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

जहाज निर्माण विकास योजना (SbDS)

- **उद्देश्य:** दीर्घकालिक क्षमता और सामर्थ्य का निर्माण करना।
- यह ग्रीनफील्ड जहाज निर्माण क्लस्टर के विकास, मौजूदा ब्राउनफील्ड शिपयार्डों के विस्तार और आधुनिकीकरण, तथा भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (IMU) के तहत एक भारत जहाज प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना का प्रावधान करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

विकसित भारत के लिए मानव पूँजी

चर्चा में क्यों?

- मुख्य सचिवों के सम्मेलन का केंद्र बिंदु 'विकसित भारत के लिए मानव पूँजी' था, जिसमें उत्पादकता और राष्ट्रीय विकास में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया।

मुख्य बिन्दु:

मानव पूँजी का महत्त्व

- **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD):** मानव पूँजी, लोगों में निहित ज्ञान, कौशल और अन्य व्यक्तिगत विशेषताओं का भंडार है, जो उन्हें उत्पादक बनने में मदद करती है।
- **जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा उठाना:** वर्तमान में लगभग 60% जनसंख्या कार्यशील आयु वर्ग (15-59 वर्ष) में है। इसके 2030 तक बढ़कर 68.9% के उच्च स्तर पर पहुंचने का अनुमान है।
- **आर्थिक विकास के साथ सह-संबंध:** 'मानव पूँजी सिद्धांत' के अनुसार शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य कार्यबल की दक्षता में सुधार करते हैं।
- **नवोन्मेषी अर्थव्यवस्था:** यह अनुसंधान, उद्यमिता और प्रौद्योगिकी को अपनाने में सक्षम बनाती है। साथ ही, यह स्टार्ट-अप्स, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्टर (आधार, UPI आदि) तथा AI एवं हरित ऊर्जा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत की प्रगति का समर्थन करती है।

चुनौतियाँ

- **निम्नस्तरीय बुनियादी साक्षरता और संख्या कौशल:** उदाहरण के लिए- परख (समग्र विकास के लिए प्रदर्शन आकलन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण) 2024 के अनुसार कक्षा 5 के छात्रों में गणित में केवल 46% दक्षता है।
- **ड्रॉपआउट की उच्च दर:** माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने की दर 10.9% है।
- **स्कूली शिक्षा के कम अनुमानित वर्ष:** भारत में यह 13.3 वर्ष है, जबकि विकसित देशों का मानक 18 वर्ष है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

GSTAT

चर्चा में क्यों?

- वित्त मंत्रालय ने वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण (GSTAT) के 83 नवनियुक्त सदस्यों को पीठ आवंटित की।

मुख्य बिन्दु:

वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण (GSTAT)

- **स्थापना:** CGST अधिनियम, 2017 की धारा 109 के तहत गठित।
- **उद्देश्य:** यह अपीलीय या पुनरीक्षण अधिकारियों के आदेशों और मुनाफाखोरी विरोधी मामलों के खिलाफ अपील सुनता है।
- **संरचना:** इसका नेतृत्व अध्यक्ष (उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश / उच्च न्यायालय का वर्तमान या पूर्व मुख्य न्यायाधीश) करता है।
- **इसमें 3 अन्य सदस्य —** न्यायिक सदस्य और तकनीकी सदस्य (केंद्र एवं राज्य) होते हैं।
- **पीठ:** इसकी एक प्रधान पीठ नई दिल्ली में है और राज्यों व संघ राज्य क्षेत्रों में 31 राज्य पीठ स्थित हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

वाडा : भारत वैश्विक डोपिंग उल्लंघन में शीर्ष

चर्चा में क्यों?

- वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (WADA) की वर्ष 2024 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारत, लगातार तीसरे वर्ष डोपिंग मामलों में विश्व मे शीर्ष स्थान पर रहा।

मुख्य बिन्दु:

- WADA के वर्ष 2024 के रिकॉर्ड:

रैंक	देश	सेंपल	पॉजिटिव	पॉजिटिविटी रेट
1st	भारत	7113	260	3.60 %
2nd	फ्रांस	11,744	91	0.80 %
3rd	रूस	10,514	76	0.76 %
4th	जर्मनी	15,081	54	0.40 %
5th	चीन	24,214	43	0.20 %

अन्य महत्वपूर्ण बिंदु:

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (WADA) :

- **परिचय:** वैश्विक स्वतंत्र प्राधिकरण जो खेलों में डोपिंग को रोकता है।
- **स्थापना:** वर्ष 1999 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) द्वारा।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA) :

- **परिचय:** भारत का स्वायत्त निकाय।
- **स्थापना:** वर्ष 2005
- **उद्देश्य:** खेलो में डोपिंग विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देना व निगरानी करना।
- यह डोपिंग विरोधी कार्यक्रम लागू करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण पोर्टल एवं एप

प्रगति (PRAGATI)

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने राज्यों में केंद्र के PRAGATI (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्लेटफॉर्म को लागू करने का आह्वान किया।

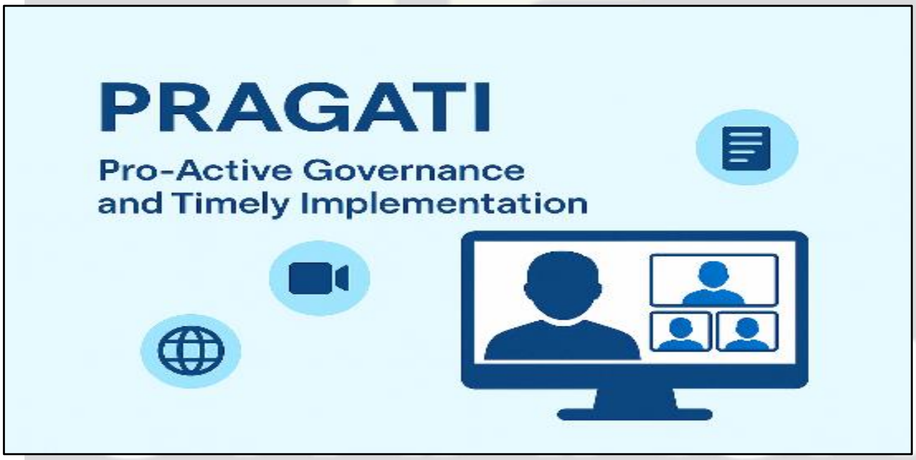

मुख्य बिन्दु:

PRAGATI

- **शुरुआत:** वर्ष 2015
- यह एक त्रि-स्तरीय प्रणाली है। ये तीन स्तर हैं- प्रधान मंत्री कार्यालय (PMO), केंद्र सरकार के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव।

उद्देश्य:

- **परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाना:** वास्तविक समय में निगरानी सुनिश्चित करने के लिए तकनीक की सहायता लेना। उदाहरण- यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, रियल-टाइम डेटा, ड्रोन फीड आदि।
- **सहयोगात्मक दृष्टिकोण:** विभिन्न सरकारी एजेंसियों की भागीदारी
- **ई-पारदर्शिता और ई-जवाबदेही:** प्रभावी शिकायत निवारण के साथ पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी अर्न्स्ट एंड यंग की रिपोर्ट** ■ अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी अर्न्स्ट एंड यंग की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत 2047-48 तक 26 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का अनुमान है। ■ **प्रतिव्यक्ति आय अनुमान:** वर्तमान से 6 गुना अधिक (15 हजार $) ■ **अर्थव्यवस्था अनुमान:** जापान व जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
2.	**पी.वी. सिंधु** ■ भारतीय बेडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु को बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) एथलीट्स कमीशन का चैयरपर्सन चुना गया है। ■ **कार्यकाल :** वर्ष 2026 से 2029 तक। ■ सिंधु 2 बार ओलंपिक पदक विजेता है।
3.	**भारत का पहला स्वदेशी MRI स्कैनर** ■ **विकास :** 'स्टार्टअप वोक्सेलग्रिडस, बेंगलुरु। ■ **क्षमता :** 1.5 टेस्ला ■ इसे नागपुर कैंसर फाउंडेशन में लगाया गया है। ■ **विशेषता:** इसमें लिक्विड हिलियम की आवश्यकता नहीं होती, जिससे निर्माण लागत 40% तक कम हो जाती है।
4.	**एडिशनल सॉलिसिटर जनरल** ■ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का पक्ष रखने के लिए 3 वकीलों को एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया है। ■ **नियुक्त:** दविंदर पाल सिंह, रविंद्र कुमार और अनिल कोशिक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5.	**भारत का पहला हथियार डेटाबेस** ■ सरकार ने आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए देश का पहला हथियार डेटाबेस लॉन्च किया। ■ **नाम:** 'लॉस्ट, लूटेड एंड रिकवर्ड फायरआर्म डेटाबेस'। ■ **संचालन :** राष्ट्रीय जाँच एजेंसी द्वारा।
6.	**वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था।** ■ वर्ष 2015 में अर्थव्यवस्था में मजबूती, रोजगार की बेहत्तर स्थिति, मुद्रास्फीति में कमी और निर्यात में स्थिरता रही है। ■ **अर्थव्यवस्था :** वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़कर विश्व की 4th सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। ■ देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में दूसरी तिमाही में वृद्धि : 8.2% (कारण : मजबूत घरेलू माँग)। ■ **बेरोजगारी दर (नवंबर, 2025 तक) :** 4.7% (कमी) ■ **निर्यात (नवंबर, 2025 तक) :** 38 अरब डॉलर (वृद्धि)
7.	**भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय** ■ भ्रष्टाचार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCAC) के पक्षकार देशों का 11वाँ सम्मेलन (COSP-11) 'दोहा घोषणा-पत्र 2025' को अपनाने के साथ संपन्न हुआ। ■ यह घोषणा-पत्र राष्ट्रों से आह्वान करता है कि वे सीमा-पार भ्रष्टाचार आदि में अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन सहयोग को मजबूत करने के लिए AI सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाएं। ■ मादक पदार्थों और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC) इस अभिसमय के सचिवालय के रूप में कार्य करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR